DIVINE BLESSINGS

"...मैं समय पर वर्षा कराऊँगा; वह आशीर्वाद की वर्षा होगी।" (एजेकिएल 34:26)

July 2015 Issue No. 23

भारत का प्रेषित सन्त थोमस

प्रतिवर्ष माता कलीसिया तीन जुलाई को सन्त थोमस का पर्व मनाती है। प्रभु येसु के बारह शिष्यों में से एक शिष्य था थोमस, जो यमल कहलाता था। यमल का अर्थ है जुड़वा। पुनरूत्थान के पश्चात् जब प्रभु अपने शिष्यों को दर्शन दिये तो थोमस वहाँ नहीं था। जो प्रभु से मिले थे वे बहुत खुश थे। वे थोमस को वह खुश खबरी सुनाये लेकिन थोमस को दुःख हुआ क्योंकि अपने सहयोगियों को जो पुनर्जीवित प्रभु को देखने और मिलने का सौभाग्या मिला वह अनुभव उसे नहीं मिला। इसलिए थोमस ने एक शपथ खायी और कहा जब तक मैं उनके हाथों में कीलों का निशान न देख लूँ, कीलों की जगह पर अपनी उँगली न रख दूँ और उनकी बगल में अपना हाथ न डाल दूँ तब तक मैं विश्वास नहीं करूँगा की प्रभु जीवित है। आठवाँ दिन प्रभु स्वयं थोमस को, जो बाकि लोगों के साथ था, प्रत्यक्ष हो गया और उसको पास बुलाया और बोला, "पास आकर अपना हाथ बढ़ा कर मेरी बगल में रखो।" थोमस अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, "मेरे प्रभु! मेरे ईश्वर!" येसु उन्हें डाटते हुए कहा कि क्या तुम देखने से विश्वास करते हो, धन्य है वह जो बिना देखे ही विश्वास करते हैं।

येसु सबको प्यार करते थे। थोमस को भी प्रभु प्यार करते थे। थोमस भी येसु को प्यार करता था लेकिन उसका प्यार उतना गहरा नहीं था। जो प्रभु के नजदीक है उसका विश्वास और प्रेम प्रभु के प्रति निरन्तर बढ़ता जाता है। नबी बारूक हमें याद दिलाते हैं, "तुमने पहले ईश्वर से दूर हो जाने कि बात सोची थी अब दस गुना उत्साह से उसके पास लोटने का चेष्टा करो।" (बारूक 4:28) मनुष्य की सृष्टि किए ईश्वर ने सभी मनुष्यों को एक महान दान दिया है, वह है ईश्वर को देखने की चाहत। ईश्वर को देखने की कामना के साथ ईश्वर ने मनुष्य की सृष्टि की है। सन्त थोमस को प्रभु को अपने आँखों से देखने की चाहत थी। वह चाहत उसमें एक नवजीवन, पवित्र आत्मा का अभिषेक और प्रभु की घोषण करने का उत्साह उजागर किया। सन्त थोमस और अन्य शिष्य लोग प्रभु के लिए शहीद हो गये और प्रभु के जीवित होने का अनुभव और विश्वास पूरा संसार में फैला दिये।

सन्त थोमस का पर्व मनाते समय हम अपना विश्वास और प्रेम दृढ़ बनाये। प्रभु को देखने और स्पर्श करनी की चाहत हममें उत्पन्न हो। हम प्रभु के दर्शन कर सके और उनका साक्ष्य संसार के हर कोने में फैलाने के लिए प्रयत्न करे।

Divine Blessing के सभी पाठकों को सन्त थोमस पर्व की ढेर सारी शुभकामनाएँ ।

इस प्रार्थना के साथ प्यार से

फा. पौल VC

विषयसूची

प्रवेशिका

सम्पादकीय

साक्ष्य

डिवाइन समाचार

आगामी कार्यक्रम

संचालक
फा. बोबी

मैनेजर
फा.वर्गीस पारायिल

सम्पादक
फा. बिरेन्द्र कुजूर

सहायक सम्पादक
वेरोनिका अंटोनी

"उसने अपनी वाणी भेज कर उन्हें स्वस्थ किया और कब्र से उनका उद्धार किया। वे प्रभु को धन्यवाद दें–उसके प्रेम के लिए और मनुष्यों के कल्याणार्थ उसके चमत्कारों के लिए।" (स्तोत्र 107:20,21)

सम्पादकीय

फा. बिरेन्द्र कुजूर

क्षमाशीलता ईश्वर प्रदत्त एक वरदान है।

पाप क्षमा ईश्वर का दान है। ईश्वर ने मनुष्यों के पापों को मिटाने के लिए अपने पुत्र प्रभु येसु ख्रीस्त को इस धरती में भेजा जिसके कारण हमें पापमुक्ति मिल सके। ईश्वर की क्षमा की कोई सीमा नहीं है। प्रभु येसु क्रूस पर मरते समय हमें एक बड़ी शिक्षा प्रदान करते है, "पिता ! इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं।" (लूकस 23:34) दूसरों को क्षमा करना यही प्रभु और ईश्वर की सबसे बड़ी शिक्षा और इच्छा है। ईश्वर ने हमें मुफ्त में क्षमा दान दिये हैं ठीक उसी प्रकार हम भी अपने शत्रुओं को निरन्तर क्षमा करते रहना है। जिन्हें मुफ्त में क्षमा मिली है, यदि वे दूसरों को क्षमा नहीं करते तो वे अपने अन्य वरदानों से वंचित रह जाते हैं। अपने पडोसी का अपराध क्षमा कर दो और प्रार्थना करने पर तुम्हारे पाप क्षमा किये जायेंगे। यदि कोई अपने मन में दूसरों पर क्रोध बनाये रखता है, तो वह प्रभु से क्षमा की आशा कैसे कर सकता है? (प्रवक्ता 28:2–3) दूसरों के पापों को क्षमा करने पर हमें ईश्वरीय क्षमा, शारीरिक और मानसिक चंगाई मिलती है। बेथसइदा के रोगी को प्रभु ने पाप क्षमा किया और उनसे कहा, "देखो तुम चंगे हो गये हो। फिर पाप नहीं करो। कहीं ऐसा न हो कि तुम पर और भी भारी संकट आ पड़े।" (योहन 5:14) आप लोग सब प्रकार की कटुता, उत्तेजना, क्रोध, लड़ाई–झगड़ा, परनिन्दा और हर तरह की बुराई अपने बीच से दूर करें। एक दूसरे के प्रति दयालु और सहृदय बनें। जिस तरह ईश्वर ने मसीह के कारण आप लोगों को क्षमा कर दिया उसी तरह आप भी एक दूसरे को क्षमा करें। (एफेसियों 4:31–32) पापक्षमा करना एक बड़ा परोपकार है। परोपकार एक हरी–भरी वाटिका जैसी है। (प्रवक्ता 40:17) अपने परोपकार का पात्र अच्छी तरह चुनो और तुम को अपने परोपकार का धन्यवाद दिया जायेगा। यदि तुम मनुष्य का उपकार करोगे तो तुम को उससे या सर्वोच्च प्रभु से पुरस्कार मिलेगा। (प्रवक्ता 12:1–3) प्रभु हमें बताते हैं कि यदि पुण्य और पुरस्कार पाना है तो हमें भलाई पर भलाई करते जाना है। "अपने शत्रुओं से प्रेम करो, उनकी भलाई करो और वापस पाने की आशा न रख कर उधार दो। तभी तुम्हारी पुरस्कार महान् होगा और तुम सर्वोच्च प्रभु के पुत्र बन जाओगे।" (लूकस 6:35) प्रभु ने हमसे वादा किया है कि यदि हम उनके सामान दयालु और क्षमावान बने तो स्वर्ग की पूरी–की–पूरी आशिष हमारी गोद में डाल दिया जायेगी। "दो और तुम्हें भी दिया जायेगा। दबा–दबा कर हिला–हिला कर भरी हुई ऊपर उठी हुई पूरी की पूरी नाप तुम्हारे गोद में डाली जायेगी; क्योंकि जिस नाप से तुम नापते हो उसी से तुम्हारे लिए भी नापा जायेगा।" (लूकस 6:38)

सन्त पौलुस भातृप्रेम के बारे में बताते हुए कहते हैं हम भलाई से प्रेम करे। बुराई से दूर रहे। बुराई के बदले बुराई नहीं करे। आप स्वयं बदला न चुकायें बल्कि उसे ईश्वर के प्रकोप पर छोड़ दे। प्रतिशोध मेरा अधिकार है, मैं ही बदला चुकाऊँगा। इसलिए यदि आपका शत्रु भूखा है, तो उसे पिलायें: क्योंकि ऐसा करने से आप उसके सिर पर जलते अंगारों का ढेर लगायेंगे। आप लोग बुराई से हार न मानें बल्कि भलाई द्वारा बुराई पर विजय प्राप्त करें। (रोमियों 12:19–21) हम निरन्तर भलाई करते रहे क्योंकि यही है प्रभु की इच्छा और आज्ञा। हम अपने शत्रुओं के मन बदलाव और भलाई के लिए प्रयत्न करे और न की उनके विनाश के लिए। क्षमा मांगना और क्षमा देना प्रभु का सर्वोत्तम शिक्षा है। यह कायरता नहीं बल्कि महानता का प्रतीक है। जो क्षमा देता है और क्षमा माँगने के लिए अपने आपको विनम्र बनाता है, वह ईश्वर की दृष्टि में महान और मूल्यवान है।

साक्ष्य

Regina Beck, Japrajan Parish

शारीरिक चंगाई मिली

मेरा नाम रजिना बेक है। झापराजन पैरिस की रहने वाली हूँ। एक साल पहले मेरा दुर्घटना हुआ था जिसके कारण शरीर में कुछ गंभीर चोटें आई थी। कुछ महीनों के बाद शारीरिक कमजोरियाँ और भी बढ़ने लगा। कुछ काम करने में मन नहीं लगता था, जल्दी थक जाती थी। मैं अब तक दो सामान्य साधनाओं में भाग ली। मुझे बहुत अच्छा लगा। मार्च महीने में रोगियों के साधना में भाग ली और प्रभु से विनय की मैं स्वस्थ हो जाऊँ। साधना के अंतिम दिन में प्रभु ने मुझे स्पर्श किया और मुझे चंगाई मिली। प्रभु को निरन्तर धन्यवाद। आमेन। *"अल्लेलूया ! प्रभु की स्तुति करो; क्योकि वह भला है। उसका प्रेम अनन्त काल तक बना रहता है। प्रभु के महान् कार्यो का वर्णन कौन कर सकता है? उसकी यथायोग्य स्तुति कौन कर सकता है?" (स्तोत्र 106:1,2)*

"प्रभु तेरे कार्य असंख्य है। तू जो भी करता है, अच्छा ही करता है। पृथ्वी तेरे वैभव से भरपूर है।"
(स्तोत्र 104:24)

Reena Lakra, Japrajan Parish बच्चे का वरदान प्राप्त हुआ

मेरा नाम रिना लकड़ा, झापराजन पैरिस की रहने वाली हूँ। मेरी शादी हुए छह साल हो गये फिर भी हम निस्सन्तान थे। बहुत इलाज कराया गया और दवाईयाँ भी बहुत खायीं पर कोई फर्क नहीं हुआ। मैं बहुत निराश और परेशान रहने लगी। मैं प्रभु के शरण गई और सामान्य साधना में भाग लेने लगी। मैं अब तक 4 बार साधना में भाग ले चुकी हूँ। साधना के दौरान मैं प्रभु से बहुत मन्नतें की और प्रभु ने मुझे एक सुन्दर बच्चे का वरदान प्रदान किया। मैं और मेरे परिवर के सभी लोगों का प्रभु पर विश्वास और भी गहरा हो गया। मैं प्रभु के इस असीम कृपा को सदा सर्वदा स्मरण रखूँगी और हमेशा कृतज्ञता अर्पित करूँगी। आमेन। *"यदि तुम्हारे पशु हों, तो उनकी देखरेख करो। यदि उन से लाभ है, तो उन्हें अपने पास रखो। यदि तुम्हारे पुत्र हों, तो उन्हें शिक्षा दिलाओ और बचपन से ही उन्हें अनुशासन में रखो।" (प्रवक्ता 7:24,25)*

थाइराइड (Thyroid) की बीमारी से छुटकारा

Michael Idla, Digboi Parish

मेरा नाम मैइकिल इडला, डिगबोई पैरिस का रहने वाला हूँ। कुछ सालों से मुझे गले में बहुत दर्द हो रहा था। इलाज कराने डक्टरों के पास गया तो पता चला कि मुझे थाइराइड की बीमारी है। मैं प्रभु पर विश्वास कायम रखा। डिवाईन आश्रम में जाकर 3 बार आध्यात्मिक साधना में भाग लिया। कुछ दिनों के बाद मुझे ज्ञात हुआ कि मेरी बीमारी धीरे–धीरे ठीक हो रहा है। अब मैं बिलकुल ठीक और स्वस्थ हूँ। प्रभु के इस अनोखे वरदान के लिए धन्यवाद। आमेन। *ईसा ने उन से कहा, "अपने विश्वास की कमी के कारण। मैं तुम से यह कहता हूँ–यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो और तुम इस पहाड़ से यह कहो, 'यहाँ से वहाँ तक हट जा तो यह हट जायेगा; और तुम्हारे लिए कुछ भी असम्भव नहीं होगा।" (मत्ती 17:20)*

Sanuj Badaik, Dibrugarh आँखों की रोशनी लौट आयी

मेरा नाम सानुज बाड़ाइक, डिब्रूगढ़ का रहने वाला हूँ। पिछले चार सालों से शरीर में कमजोरियाँ आ रही थी। थोड़ा सा मेहनत करने पर थकावट आ जाता था। आँखो की रोशनी भी कम हो रही थी, धुंधला–धुंधला सा दिखायी देता था। मैं अब तक दो बार सामान्य साधना में भाग ले चूका हूँ। प्रभु के वचन की शक्ति और अनुग्रह से मेरी आँखों की रोशनी लौट आयी। इसके साथ–साथ शारीरिक कमजोरियाँ भी दूर हो गई। प्रभु ने मुझे चगांई और अपनी असीम कृपा से भर दिये। प्रभु को निरन्तर धन्यवाद। प्रभु की स्तुति हो। आमेन। *"मैं जीवन भर प्रभु के गीत सुनाता रहूँगा, मैं जीवन भर ईश्वर का स्तुतिगान करूँगा। मेरा यह भजन प्रभु को प्रिय लगे। प्रभु ही मेरे आनन्द का स्त्रोत है।" (स्तोत्र 104:33,34)*

Rahil Bodra, Jagun Parish छह साल के पीठ दर्द से चंगाई

मेरा नाम राहिल बोदरा, जागुन पैरिस की रहने वाली हूँ। पिछले छह साल से मुझे पेट दर्द की बीमारी थी। बहुत इलाज कराया पर कोई फर्क नहीं हुआ। मैं पेट दर्द से काफी परेशान थी। मैंने अब तक नौ बार से ज्यादा सामान्य आवासीय साधना में भाग लिया है। मार्च महीने के रोगियों के साधना में भाग ली, विश्वास के साथ प्रार्थना किया और मुझे पेट की बीमारी से छुटकारा और चंगाई मिली। इसके साथ–साथ प्रभु ने मेरे परिवार में ढेर सारी आशिष दिये। मेरा माँ नशा छोड़ दी और सबों को अच्छा स्वास्थ्य मिला। प्रभु की वन्दना और स्तुति हो। आमेन। *"मैं तुझ से प्रेरित हो कर भरी सभा में तेरा गुणगान करूँगा। मैं प्रभु–भक्तों के सामने अपनी मन्नतें पूरी करूँगा। जो दरिद्र हैं, वे खा कर तृप्त हो जायेंगे; जो प्रभु की खोज में लगे हैं, वे उसकी स्तुति करेंगे। उनका हृदय सदा–सर्वदा जीवित रहे।" (स्तोत्र 22:26,27)*

"तुम अपने प्रभु–ईश्वर की सेवा करोगे और वह तुम्हारे अन्न–जल को आशीर्वाद देगा और मैं तुम से बीमारियाँ दूर रखूँगा।" (निर्गमन 23:25)

डिवाईन समाचार (जून)

सामान्य साधना :– 07–10 जून को सामान्य साधना चलाया गया जिसमें 117 लोगों ने भाग लिया। बहुतों को ईश्वरीय कृपा प्राप्त हुआ और एक अच्छा खीस्तीय जीवन बिताने की प्रेरणा मिली।

विशेष साधना :– 14–17 जून को सभी निसन्तान दम्पतियों के लिए विशेष साधना का आयोजन किया गया जिसमें 40 दम्पतियों ने भाग लिया। बहुतों को ईश्वरीय अनुभव मिला और पवित्र जीवन जीने का अनुग्रह मिला। कई लोगों को विभिन्न प्रकार की बीमारियों से चंगाई भी मिली।

अन्य कार्यक्रम :– 13 जुन को डिवाईन यूथ फलौशिप का बैठक का आयोजन किया गया जिसमें 60 युवाओं ने भाग लिया। प्रभु की शिक्षा का पालन करते हुए अपने जीवन को सुन्दर और पवित्र बनाने की प्रेरणा उन्हें मिला। 11 जुन को एक दिवासीय साधना, दीमापूर में चलाया गया। करीब 200 लोगों ने भाग लिया और प्रभु के वचन को विनम्रतापूर्वक स्वीकार किया। 18 जून को कुबाँग पैरिस में रात्रि जागरण का आयोजन किया जिसमें करीबन 1,000 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। बहुतों को प्रभु को असीम कृपा ओर आशीर्वाद मिला।

आगामी कार्यक्रम (जुलाई)

युवाजनों के लिए विशेष साधना
12–16 जुलाई

"ईश्वर हमारा आश्रय और सामर्थ्य है। वह संकट में सदा सहचर है।" (स्तोत्र 12:16) आज के इस आधुनिक युग में अधिकतर युवक–युवतियाँ प्रभु को अपना आश्रय और सहारा नहीं मानते हैं और फलस्वरूप स्वार्थता का जीवन बिताते हैं और पाप के मार्ग पर चले जाते हैं। सभी युवजनों को अपने जीवन में ईश्वरीय कृपा और अनुग्रह प्राप्त कर के अपने जीवन में सुधार और उन्नति लाने का सुन्दर मौका है। फाः थोमस, OFM, अजमेर-राजस्थान से और ब्राः जोशी, झारखण्ड से इस साधना के प्रमुख वक्ता है। सभी युवक–युवतियाँ इस विशेष साधना में भाग ले और अपने जीवन में प्रभु की असीम कृपा प्राप्त करे। (फीस 200/-)

1–4 पैरिस साधना, कन्नूर (केरल)
2 रात्रि जागरण, बिमलापूर पैरिस
3 पवित्र हृदय की साधना
5–8 सामान्य आवासीय साधना (200)
11 One Day Convention, Dimapur
11 रात्रि जागरण, राजानगर पैरिस
12–16 युवाजनों के लिए विशेष साधना (200)
18 रात्रि जागरण, कुबाँग पैरिस
19–23 पैरिस साधना, तिनसूकिया (असम)
26–31 Priest & Religious Retreat (500)
31 रात्रि जागरण

विदाई :– डिवाईन आश्रम में पूरे एक साल निस्वार्थ सेवा करने के पश्चात् सिस्टर जीलसी, FCC, बरेली प्रोविंस का स्थानन्तरित हो गया है। उनकी सेवा के लिए हम सहृदय कृतज्ञता अर्पित करते हैं और ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएँ अदा करते हैं। प्रभु उनके सभी कार्यों में सफलता और आशीर्वाद प्रदान करे।

सुस्वागतम :– सिस्टर जेशिन, FCC, डिवाईन आश्रम के नए सदस्य बन गये हैं। डिवाईन परिवार आपको हार्दिक स्वागत करता है और ढेर सारी शुभकामनाएँ अदा करते हैं। प्रभु आपके कार्यों द्वारा लोगों पर महान आशिष बरसायें।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क कीजिए.....

Divine Renewal Retreat Centre

MARGHERITA

Dist. Tinsukia, Assam, PIN- 786181 Phone : (03751-213023, 9957340328

E-mail : frbobbyvc@gmail.com, divinemargherita@gmail.com